

डॉ. डेविड डिसिल्वा , अपोक्रीफा, व्याख्यान 5, एक करीबी नज़र: टोबिट, सुज़ाना, बारूक, यिर्मयाह का पत्र, बेल और ड्रैगन

© 2024 डेविड डिसिल्वा और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. डेविड डिसिल्वा द्वारा अपोक्रीफा पर दिए गए अपने व्याख्यान में है। यह सत्र 5 है, एक नज़दीकी नज़र: टोबिट, सुज़ाना, बारूक, यिर्मयाह का पत्र, बेल और ड्रैगन।

टोबिट की पुस्तक के साथ, हम अपोक्रीफा के ग्रंथों को देखना शुरू करते हैं, जिसका ध्यान डायस्पोरा में यहूदियों के जीवन पर अधिक है।

टोबिट, जूडिथ की तरह, एक शिक्षाप्रद कहानी है, ऐतिहासिक कथा का एक काम है, और यह संभवतः अरामी या हिब्रू में, संभवतः फिलिस्तीन में, शायद पूर्वी डायस्पोरा में रचित थी। टोबिट की कई पांडुलिपियाँ मृत सागर स्क्रॉल में पाई गईं। हम जानते हैं कि इसे लगभग 100 ईसा पूर्व से पहले इज़राइल में पढ़ा जा रहा था।

और इसलिए, 100 ईसा पूर्व या उसके आसपास इसकी रचना की नवीनतम तिथि होगी। लेकिन कई विद्वानों का मानना है कि इसकी रचना 175 की घटनाओं से पहले और उन उथल-पुथल भरे वर्षों के बाद की गई थी, जिन्हें हमने 1 और 2 मैकाबीज़ के बारे में बात करते समय फिर से देखा था। इस पाठ में इनमें से किसी का भी कोई प्रतिबिंब नहीं है।

टोबिट, जूडिथ की तरह ही एक और अद्भुत कहानी है, जिसका उद्देश्य केवल एक शानदार कहानी सुनाकर मनोरंजन करना रहा होगा। टोबिट की कहानी इज़राइल की भूमि, वास्तव में, उत्तरी राज्य में शुरू होती है। और हम टोबिट से संक्षिप्त रूप से उत्तरी राज्य के एक भक्त टोरा के अनुयायी इज़राइली के रूप में मिलते हैं, जो राज्य की प्रवृत्तियों के बावजूद, फिर भी यरूशलेम गया, वहाँ के मंदिर में पूजा करने के लिए, जैसा कि कानून निर्धारित करता है, और जो ईमानदारी से दान और अन्य दान के कार्यों में लगा हुआ था।

हालाँकि, अपनी वफ़ादारी के बावजूद, वह उत्तरी राज्य के भाग्य में भागीदार होता है जब असीरिया आक्रमण करता है और उत्तरी राज्य के बहुत से सदस्यों को बंदी बना लेता है। और इसलिए, वह खुद को निनवे में पाता है। और वहाँ निनवे में भी, वह परमेश्वर के नियम के प्रति वफ़ादार रहता है, अन्यजातियों का भोजन नहीं खाता, अपने लोगों में से ज़रूरतमंदों की देखभाल करता है, और मारे गए यहूदियों की लाशों उठाता है।

मारे गए यहूदियों की लाशों को ढोना, धर्मपरायणता का यह अंतिम कार्य उसे वहाँ मुसीबत में डाल देता है। इन यहूदियों को असीरियन राजा, सेनचेरिब ने मार डाला है, जो उत्तरी राज्य की लूट की कहानी का मुख्य खलनायक है। इसलिए, सेनचेरिब टोबिट की संपत्ति जब्त कर लेता है और उसे और उसके परिवार को निर्वासित कर देता है।

सन्हेरीब की हत्या के बाद, टोबिट नीनवे में अपनी संपत्ति, अपने पिछले जीवन में वापस लौटने में सक्षम हो जाता है, और वह मृतकों के प्रति अपनी सामान्य धार्मिकता के कार्य में वापस लौट आता है। हालाँकि, एक रात, जब वह अपने आँगन में सो रहा था, तो पक्षी की बीट उसकी आँखों में गिर गई और वह अंधा हो गया। और उसके बाद, वह आय के लिए अपनी पत्नी, अन्ना पर निर्भर हो जाता है, और उसे अपनी बढ़ती बदनामी के साथ जीना मुश्किल लगता है।

और इसलिए, हम पाते हैं कि वह अंततः भगवान से प्रार्थना करता है कि वह उसे मरने दे और उसकी शर्मिंदगी खत्म हो। इस बिंदु पर, लेखक दूसरे दृश्य में जाता है, टोबिट के कुछ रिश्तेदारों के लिए, जो इक्बाटाना में कठिनाई का सामना कर रहे हैं, जहाँ रागुएल और एडना की बेटी सारा के सात पति हैं, लेकिन किसी भी शादी में उसका कोई संबंध नहीं है क्योंकि वहाँ असमोडियस नामक एक राक्षस है जो उससे ईर्ष्या करता है। और इसलिए जब भी सारा अपनी दुल्हन की रात को अपने विवाह कक्ष में जाती है, तो असमोडियस उसके पति को मार देता है।

इनमें से सातवें पति की मृत्यु के बाद, वह अपनी दासी से विवाद में पड़ जाती है, और उसकी दासी उसे अपने पतियों को मारने वाली कहकर ताना मारती है। और इसलिए, इस बिंदु पर, सारा, अपने ही एक नौकर द्वारा अपमानित होने पर, भगवान से या तो मुक्ति या मृत्यु की प्रार्थना करती है, ताकि उसे और अधिक तिरस्कार का सामना न करना पड़े। इस बिंदु पर, लेखक टिप्पणी करने के लिए हस्तक्षेप करता है, इस प्रकार एक स्पॉइलर पेश करता है, कि टोबिट और सारा दोनों की प्रार्थनाएँ भगवान के सामने पहुँच गई हैं और दोनों को ठीक करने के लिए भगवान ने स्वर्गदूत राफेल को भेजा था।

हम नीनवे में टोबिट के पास वापस जाते हैं। मृत्यु के लिए प्रार्थना करने के बाद, वह उम्मीद करता है कि भगवान उसकी प्रार्थना का जवाब देंगे, और इसलिए वह अपने मामलों को व्यवस्थित करता है। वह अपने छोटे बेटे टोबियास को परिवार की दस प्रतिभा चांदी की जमा राशि के बारे में बताता है, जिसे मेदिया में गैबेल नामक व्यक्ति के पास ट्रस्ट में छोड़ दिया गया था।

वह टोबियास को जीवन के लिए कुछ नैतिक निर्देश देता है और उसे इस खतरनाक यात्रा के लिए एक साथी खोजने के लिए कहता है क्योंकि वह पैसे वापस पाने के लिए निकल जाता है, और इस तरह अपने परिवार को गरीबी से बचाता है और अपनी माँ की देखभाल करना जारी रखता है, जिसे टोबिट को उम्मीद है कि वह उससे बच जाएगी। टोबियास बाजार में जाता है और अजर्याह नाम के एक आदमी के साथ लौटता है, जो वास्तव में, लेखक हमें बताता है कि एक आदमी के रूप में प्रच्छन्न स्वर्गदूत राफेल है, और टोबिट अजर्याह को एक साथी के रूप में स्वीकार करता है। इसलिए, टोबियास और अजर्याह ने यात्रा शुरू की, और अपनी यात्रा की पहली रात को, उन्होंने टिगरिस नदी के किनारे शिविर लगाया। जब टोबियास दिन भर की यात्रा के बाद अपने पैर धो रहा था, तो एक बड़ी मछली नदी से बाहर कूद गई और उसे काटने की कोशिश की।

अजर्याह उसे मछली को पकड़ने और उसे किनारे तक खींचने का निर्देश देता है, और वह टोबियास को मछली का जिगर और दिल, और उसका पित्ताशय लेने का निर्देश देता है क्योंकि, अजर्याह उसे बताता है, मछली के जिगर और दिल का इस्तेमाल किसी राक्षस को भगाने के लिए किया जा सकता है, और मछली के पित्त का इस्तेमाल अंधेपन को ठीक करने के लिए किया जा

सकता है। हम्म, मुझे आश्चर्य है कि अंत में यह सब कैसे होने वाला है। रास्ते में, अजर्याह टोबियास को यात्रा पर एक चक्कर लगाने और टोबियास के रिश्तेदार, रागुएल के घर जाने और सारा से शादी करने के लिए राजी करता है।

टोबियास उसकी कहानी जानता है और इस पंक्ति में आठवें नंबर पर होने की अनिच्छा व्यक्त करता है, लेकिन अजर्याह उसे आश्वासन देता है कि सब कुछ ठीक हो जाएगा, कि भगवान ने इसे हाथ में ले लिया है, और इस तरह युगल विवाहित हो जाते हैं और अजर्याह के निर्देशों के कारण शादी की रात बच जाते हैं। प्रार्थना करें, मछली के जिगर और दिल को जला दें, और दानव मिस्र के दूरदराज के इलाकों में भाग जाता है, जहां, रात भर, अजर्याह, स्वर्गदूत राफेल के रूप में, राक्षस को बांधता है और उस समस्या का ख्याल रखता है। सफल विवाह की रात के बाद 14-दिवसीय विवाह भोज के दौरान, अजर्याह मेदिया जाने और चांदी की दस प्रतिभाओं को पुनः प्राप्त करने के मिशन को पूरा करता है, और अंत में, स्वर्गदूत, युगल और चांदी की दस प्रतिभाएं सुरक्षित रूप से नीनवे, टोबिट और अन्ना के पास वापस आती हैं,

घर पहुँचते ही टोबियास मछली के पित्ताशय से पित्त को अपने पिता की आँखों पर लगाता है, और उसके पिता को अंधा करने वाली सफ़ेद फिल्म उतर जाती है, और वह फिर से देखने में सक्षम हो जाता है। फिर स्वर्गदूत टोबिट और टोबियास के सामने खुद को निजी तौर पर प्रकट करता है, वास्तव में, राफेल के रूप में, जो भगवान की उपस्थिति में खड़े सात प्रमुख स्वर्गदूतों में से एक है। वह उन्हें भगवान की महिमा देना जारी रखने और भगवान के उद्धार की गवाही देना जारी रखने का निर्देश देता है।

पुस्तक के अंत में, टोबिट ईश्वर के बिखरे हुए लोगों के भविष्य के उद्धार के बारे में भविष्यवाणी करता है और टोबिट को अंतिम नैतिक निर्देश देने के बाद मर जाता है। अब, टोबिट की कहानी कई चीजों के लिए मूल्यवान है, लेकिन एक चीज जो वास्तव में हमारी मदद करती है, वह है द्वितीय मंदिर के यहूदी नैतिकता की एक झलक, दोनों ही तरीकों से जिसमें हम इन पात्रों को जीते हुए पाते हैं और साथ ही उन स्पष्ट नैतिक निर्देशों में भी जो टोबिट अपने बेटे टोबियास को दो मौकों पर देता है। व्यवस्थाविवरण में, जरूरतमंद इस्राएलियों के प्रति दान की स्पष्ट रूप से सिफारिश की गई है और वास्तव में, आदेश दिया गया है।

तुम्हें अपने साथी इस्राएलियों, अपने बीच के जरूरतमंदों और अपने देश में तुम्हारे साथ रहने वाले गरीबों के लिए उदारता से अपना हाथ खोलना चाहिए। और यह शायद सबसे महत्वपूर्ण नैतिक अभ्यास है जिसकी टोबिट की पुस्तक अनुशंसा करती है। इज़राइल में रहते हुए, लेखक हमें बताता है कि टोबिट ने अनार्थों और विधवाओं और उन गैर-यहूदियों को वितरित करने के लिए परिश्रमपूर्वक दूसरा दशमांश अलग रखा, जो इज़राइल में शामिल हो गए थे और इस तरह अपने परिवारों और अपने समर्थन के नेटवर्क को पीछे छोड़ गए थे।

निर्वासन में रहते हुए, टोबिट ने अपने रिश्तेदारों और अन्य निर्वासित इस्राएलियों की जरूरतों के अनुसार सहायता करना जारी रखा, और गरीबों के साथ अपनी मेज़ साझा की। उसने उन इस्राएलियों के शवों को दफनाया जिनकी हत्या कर दी गई थी या जिन्हें मार दिया गया था और

उन्हें निनवे की दीवार के बाहर फेंक दिया था। पहले भाषण में, जिसमें टोबिट अपने बेटे को निर्देश देता है, भिक्षा देने को बढ़ावा देने के लिए चार या पाँच पूरे छंद दिए गए हैं।

और इसलिए, हम सातवीं और उसके बाद की आयतों को साथ मिलकर पढ़ेंगे। हर उस व्यक्ति से जो धार्मिकता का पालन करता है, जो तुम्हारे पास है उसके आधार पर दान करो। और जो तुमने दिया है, उस पर अपनी नज़र मत लगाओ।

किसी गरीब व्यक्ति से अपना मुंह मत मोड़ो, और भगवान का चेहरा कभी भी तुमसे दूर नहीं होगा। मेरे बच्चे, तुम्हारे पास जो कुछ है उसके अनुसार सहायता करो। अगर तुम्हारे पास बहुत कुछ है, तो अपने हिस्से से दान करो। अगर तुम्हारे पास थोड़ा सा है, तो अनुपात के अनुसार दान करने से मत डरो।

इस तरह, आप ज़रूरत के समय के लिए एक मूल्यवान खजाना जमा कर लेंगे। गरीबों की मदद करना एक व्यक्ति को मौत से बचाता है और एक व्यक्ति को अंधकार में जाने से बचाता है। जो कोई भी ऐसा करता है, उसके लिए ज़रूरतमंदों को पैसे दान करना परमप्रधान की नज़र में एक अच्छा उपहार है।

अब, इन निर्देशों को देते हुए, टोबिट, निश्चित रूप से, व्यवस्थाविवरण के आदेश को दर्शाता है। साथ ही, नीतिवचन 19 का वादा कहता है कि जो लोग गरीबों पर दया करते हैं, वे प्रभु को उधार देते हैं, और प्रभु उन्हें पूरा भुगतान करेंगे। लेकिन टोबिट दान देने के गुण को बढ़ाता है और यह भावना कि ज़रूरतमंदों को देना वास्तव में सबसे बुद्धिमानी भरा निवेश है जो एक व्यक्ति अभी, वर्तमान में, अनिश्चित भविष्य के खिलाफ कर सकता है।

स्वर्गदूत राफेल, टोबिट और टोबियास को दिए गए अपने भाषण में इस विचार को और भी बढ़ावा देगा कि आप गरीब व्यक्ति के पास जो कुछ भी जमा करते हैं, वह वास्तव में भविष्य के लिए अपने लिए एक खजाना जमा करना है क्योंकि भगवान दान देने के कार्य को सकारात्मक रूप से देखते हैं। इसलिए, स्वर्गदूत कहेगा कि सोना जमा करने से दान देना बेहतर है, क्योंकि दान देने से मृत्यु से बचाव होता है और हर पाप दूर हो जाता है। जो लोग दान देते हैं वे पूर्ण जीवन का आनंद लेंगे, लेकिन जो लोग पाप करते हैं और गलत काम करते हैं वे अपने सबसे बड़े दुश्मन हैं।

दरअसल, यह पता चलता है कि ज़रूरतमंदों के प्रति टोबिट के अपने दयालु कार्यों ने ही उसे सबसे पहले ईश्वर के दरबार में पहुँचाया। राफेल ने खुलासा किया कि टोबिट के दान के कारण ही जब टोबिट की प्रार्थना स्वर्ग तक पहुँची, तो ईश्वर ने इस पर ध्यान दिया और मदद के लिए राफेल को भेजने का फैसला किया। इसके परिणामस्वरूप टोबिट की परीक्षा हुई, वह अंधा हो गया और ईश्वर ने टोबियास को सारा के रूप में एक उपयुक्त दुल्हन प्रदान करके उसके पूरे परिवार और उसके वंश को ठीक करने का फैसला किया।

अब, यह उन अंशों में से एक होगा जो प्रोटेस्टेंट सुधार के समय में अपोक्रीफा को परेशानी में डालते हैं क्योंकि यह इस विचार को बढ़ावा देता है कि दान के कार्यों द्वारा भिक्षा देने से, आप

भविष्य के लिए भगवान के पास अपने लिए पुण्य जमा कर सकते हैं और इस प्रकार भविष्य में किसी समय भगवान द्वारा चुकाया जा सकता है। टोबिट के बचाव में, मैं कहूंगा, हालांकि, जैसा कि हम बाद के व्याख्यान में देखेंगे, यहां तक कि यीशु भी इस विचार को उठाते हैं कि वर्तमान में जरूरतमंद लोगों को अपनी संपत्ति देना स्वर्ग में अपने लिए खजाना जमा करने का सबसे अच्छा तरीका है क्योंकि यह वास्तव में एक पड़ोसी के लिए उस तरह का प्यार है जिसे भगवान महत्व देते हैं। टोबिट की पुस्तक द्वारा प्रचारित अन्य मूल्यों में से एक है अंतर्विवाह का मूल्य, अपनी जाति, अपने जातीय समूह, यहां तक कि अपने कबीले के भीतर या यहां तक कि अपने कबीले के भीतर विवाह करना।

पुस्तक के चौथे अध्याय में टोबिट ने अपने बेटे टोबियास को जो निर्देश दिए, उनमें दान देने के गुण के बारे में बात करने के बाद, टोबिट अंतर्जातीय विवाह के महत्व के बारे में बात करता है। वह लिखता है, यहाँ एक बात जो विशेष रूप से चौंकाने वाली है, वह यह है कि टोबिट के लेखक टोबिट ने यहूदी जातीय समूह के बाहर विवाह करने को एक तरह का व्यभिचार बताया है, जो काफी चौंकाने वाला है। यह विवाह है, लेकिन दूसरी ओर, यह एक तरह की यौन विकृति है क्योंकि जो वास्तव में महत्वपूर्ण है वह है इस्राएल की वंशावली को शुद्ध रखना।

टोबिट की पुस्तक में, हमें स्वर्णिम नियम का एक प्रारंभिक कथन भी मिलता है, जिसे रजत नियम भी कहा जाता है, क्योंकि इसे केवल नकारात्मक रूप से कहा गया है। टोबिट अपने बेटे से कहता है, जो तुम घृणा करते हो, उसे किसी के साथ मत करो। पूरी कहानी में, हमें शुरू से अंत तक व्यवस्थाविवरण की इतिहास की समझ की पुष्टि भी मिलती है।

पुस्तक के पात्र और कथानक भी इस सत्य की पुष्टि करते हैं कि वाचा का पालन करने से आशीर्वाद मिलता है, व्यक्तिगत यहूदी और उसके परिवार के लिए और पूरे राष्ट्र के लिए, जबकि वाचा की अवज्ञा करने से अभिशाप मिलता है। लेखक स्पष्ट रूप से कहते हैं कि पूरे उत्तरी राज्य में वाचा के बड़े पैमाने पर उल्लंघन के कारण इस्राएल असीरिया में निर्वासित हो जाता है, भले ही टोबिट ने खुद इसमें भाग नहीं लिया था। टोबिट में, हम स्वर्गदूतों और राक्षसों में रुचि के विकास का भी गवाह पाते हैं।

टोबिट की दुनिया काफी हद तक पुराने नियम की दुनिया से अलग है, जहाँ स्वर्गदूत कभी-कभी साधारण वेश में दिखाई देते हैं, लेकिन अब वे कहानी में हर आदमी के साथ खिलाड़ी हैं। एक स्वर्गदूत टोबियास के साथ चलता है और परिवार की मदद करता है। एक दानव, असमोडियस, उसी परिवार के दूसरे हिस्से को परेशान करता है।

और इसलिए हमारे पास एक कहानी की दुनिया है जिसमें हम इन मध्यस्थ आत्मिक प्राणियों से, जो ईश्वर की सेवा करते हैं और ईश्वर की सेवा नहीं करते हैं, मानव जीवन में सक्रिय होने की अपेक्षा करते हैं। हमें विशेष रूप से देवदूत विज्ञान के इस विकास में एक खिड़की मिलती है, स्वर्गदूतों के विभिन्न आदेश, साधारण स्वर्गदूत, और साथ ही सात स्वर्गदूत जो ईश्वर की उपस्थिति में खड़े होते हैं, जिनमें से राफेल एक है। और इन स्वर्गदूतों की भावना मनुष्यों और ईश्वर के बीच निरंतर मध्यस्थ के रूप में है।

ये देवदूत ही हैं जो प्रार्थनाओं को ईश्वर के ध्यान में लाते हैं। ये देवदूत ही हैं जिन्हें ईश्वर के निर्णय के अनुसार प्रार्थनाओं को पूरा करने के लिए भेजा जाता है। इसके अलावा, टोबिट की पुस्तक में, प्रार्थना का एक उदाहरण ध्यान देने योग्य है, वह प्रार्थना जो टोबियास अपनी शादी की रात को करता है।

अगर आपको लगता है कि कोई शैतान आपको मार देगा, तो यह प्रार्थना के लिए अच्छा समय है। और इस प्रार्थना का कई चर्चों में ईसाई धर्मविधि पर स्थायी प्रभाव पड़ा है। यह किसी शादी में पुराने नियम के पाठ के रूप में दिखाई दे सकती है।

और वहाँ हम यह पाते हैं। हमारे पूर्वजों के परमेश्वर, आप धन्य हैं, और आपका नाम सभी पीढ़ियों के लिए धन्य है। स्वर्ग और आपकी सारी सृष्टि आपको हमेशा आशीर्वाद दे।

आपने आदम को बनाया, और आपने उसकी पत्नी हव्वा को बनाया, ताकि वह उसकी मदद और सहारा दे सके। और उन दोनों से ही मानव जाति आई है। आपने कहा कि आदमी का अकेला रहना अच्छा नहीं है।

चलो उसे भी अपने जैसा ही सहायक बना दें। मैं अपनी इस बहन को अब वासना से नहीं बल्कि ईमानदारी से ले जा रहा हूँ। दुआ करें कि उस पर और मुझ पर दया की जाए और हम साथ-साथ बूढ़े हों।

अब, इस प्रार्थना का स्वरूप हमें प्रार्थना के लिए एक प्रतिमान देता है जो सदियों से यहूदी और ईसाई दोनों प्रथाओं में उल्लेखनीय रूप से कायम है। पहली पंक्ति वास्तव में अंतर-नियमित भजनों या भजनों और यहाँ तक कि स्वयं भजनों से एक सामान्य धार्मिक अभिव्यक्ति है। लेकिन उस शुरुआत के बाद, हम पाते हैं कि प्रार्थना के लिए, यदि आप चाहें तो, ईश्वर के उद्देश्यों पर ध्यान दिया गया है।

और इन दिव्य उद्देश्यों का नाम दिया गया है, और ये वे उद्देश्य हैं जो प्रार्थना का उत्तर न मिलने पर स्पष्ट रूप से खतरे में पड़ जाते हैं। अर्थात्, एक पुरुष और एक महिला के लिए परमेश्वर के उद्देश्य, विशेष रूप से इस पुरुष के लिए, जो इस महिला, टोबियास और सारा से ज्यादा खतरे में है। टोबियास पुष्टि करता है कि विवाह करने में उनके उद्देश्य, वास्तव में, उसी के लिए परमेश्वर के उद्देश्यों के साथ संरेखित हैं।

इसके बाद और इसी आधार पर टोबियास अपना अनुरोध करता है, अर्थात् वे रात को जीवित रहेंगे और सृष्टि में और एक दुसरे के साथ विवाह की संस्था में परमेश्वर के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए जीवित रहेंगे। यह मॉडल, एक तरह से, परमेश्वर की इच्छा के अनुसार प्रार्थना करना है, जो ईसाई धर्मविधि में स्पष्ट रूप से दिखाई देगा। प्रार्थना के बाद प्रार्थना, एक के बाद एक एकत्रित होना, रोमन कैथोलिक, पूर्वी रूढ़िवादी और एंग्लिकन चर्चों में विकसित हुआ, बिल्कुल इसी पैटर्न को अपनाता है।

परमेश्वर के चरित्र, परमेश्वर के उद्देश्यों और परमेश्वर के कार्यों के बारे में कुछ घोषणाएँ, जो आगे आने वाली याचिका के लिए आधार और रूपरेखा हैं। याचिकाकर्ता परमेश्वर के अनुरोधों पर

पहले विचार करता है, क्षमा करें, परमेश्वर के उद्देश्यों पर पहले, केवल वही माँगता है जो उन उद्देश्यों के साथ संरेखित हो। अंत में, मैं टोबिट के युगांतशास्त्र की ओर ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ।

इस पुस्तक के 13वें और 14वें अध्याय में, वृद्ध टोबिट, मरने से ठीक पहले, भविष्य में परमेश्वर के लोगों के लिए क्या करने जा रहा है, इस बारे में भविष्यवाणियाँ करता है। और इसलिए, हम पद 13 से पढ़ते हैं: हे इस्राएलियों, राष्ट्रों के सामने उसके बारे में गवाही दो, क्योंकि उसने तुम्हें उनके बीच बिखेर दिया है। वह तुम्हारे अन्यायपूर्ण कार्यों के लिए तुम्हें दण्ड देगा, लेकिन वह तुम सब पर दया भी करेगा और तुम्हें उन सभी राष्ट्रों से इकट्ठा करेगा जिनके बीच तुम बिखरे हुए हो।

जब आप पूरे दिल से और पूरी तरह से उसके सामने ईमानदारी से काम करने के लिए उसकी ओर मुड़ते हैं, तो वह आपकी ओर मुड़ेगा और फिर कभी अपना चेहरा आपसे नहीं छिपाएगा। इस अवधि के युगांतशास्त्रीय कथनों में एक सामान्य सूत्र यह आशा है कि ईश्वर वास्तव में प्रवासी लोगों को वापस लाएगा। वह उन लोगों को इकट्ठा करेगा जहाँ से वे किसी भी कारण से बिखरे हुए हैं, उस भूमि में वापस जो ईश्वर ने उन्हें मूल रूप से दी थी, उनके पूर्वजों से वादा किया था कि यह हमेशा के लिए उनका रहेगा।

बेशक, हम व्यवस्थाविवरण के ढाँचे के भीतर यह भी देखते हैं कि जब आप पश्चाताप करते हैं, जब आप वाचा के कर्मों को फिर से करते हैं, तो यह शानदार भविष्य पूरा होगा। अब, टोबिट के युगांतशास्त्र के बारे में जो बात भी उल्लेखनीय है वह यह है कि लेखक इस शानदार भविष्य में अन्यजातियों के लिए आशा रखता है। उदाहरण के लिए, हमने जो 2nd एजड्रास में देखा, उससे बिल्कुल अलग, जहाँ राष्ट्र परमेश्वर की दृष्टि में थूक के समान हैं।

लेकिन यहाँ आशा है, एक ऐसी आशा जो निश्चित रूप से, भविष्यवाणियों के ग्रंथों से पैदा हुई है, विशेष रूप से यशायाह के कुछ ग्रंथों से, कि राष्ट्र भविष्य में ईश्वर के ज्ञान के प्रकाश में आएँगे। तो, टोबिट 13 में, हम पढ़ते हैं, एक उज्वल प्रकाश पृथ्वी के सबसे दूर के कोनों में चमक जाएगा। कई राष्ट्र दूर से आपके पास आएँगे, और पृथ्वी के सभी छोर से निवासी आपके पवित्र नाम के लिए आएँगे।

वे स्वर्ग के राजा के लिए अपने हाथों में उपहार लेकर चलेंगे। फिर, अंतिम अध्याय में, पूरी पृथ्वी के सभी राष्ट्र मुड़ेंगे और वास्तव में परमेश्वर का आदर करेंगे। वे सभी अपनी मूर्तियों को पीछे छोड़ देंगे जिन्होंने उन्हें धोखा दिया है और उन्हें गुमराह किया है।

वे धार्मिकता में अनन्त परमेश्वर की स्तुति करेंगे। और इसलिए, यहाँ अंतर-नियम अवधि में, हमारे पास उस भविष्यसूचक आशा का एक और स्पष्ट कथन है जो पौलुस जैसे अन्य यहूदियों को भी इन भविष्यवाणियों को पूरा करने के अपने मिशन में प्रेरित करेगा। इस्राएल की आस-पास के अन्य राष्ट्रों के लिए यह आशा पूरी हुई।

जब हम दानिय्येल में किए गए परिवर्धनों की ओर मुड़ते हैं, तो हम वास्तव में दानिय्येल के एक बड़े संस्करण की ओर मुड़ते हैं। जब दानिय्येल का ग्रीक में अनुवाद किया गया, तो इसका एक विस्तारित संस्करण में अनुवाद किया गया जिसमें दो अतिरिक्त कहानियाँ शामिल थीं। सुज़ाना

की कहानियाँ जो अब हमारे ध्यान में आएंगी और बेल और ड्रेगन की, जिस पर हम जल्द ही वापस लौटेंगे।

और दो लम्बे और सुन्दर धार्मिक अंशों को जोड़कर इसे और विस्तृत किया गया है। पश्चाताप की एक प्रार्थना, जिसे अजर्याह की प्रार्थना के रूप में जाना जाता है, और धन्यवाद और मुक्ति का एक भजन, जिसे तीन युवकों के गीत के रूप में जाना जाता है। अभी के लिए, आइए हम केवल इन अतिरिक्त दृश्यों में से पहले दृश्य पर विचार करें, जिसे हम दानियेल के यूनानी संस्करण में कहें।

सुज़ाना की कहानी। सुज़ाना की शुरुआत एक अनाम बुद्धिमान व्यक्ति के बारे में एक स्वतंत्र कहानी के रूप में हुई होगी, जिसकी पहचान केवल डैनियल के साथ तब होती है जब कहानी को ऋषि डैनियल के दायरे में लाया जाता है। और कहानियों के उस चक्र में, जिनमें से छह हमें डैनियल की विहित पुस्तक को पढ़ने से परिचित हैं।

यह पूर्वी डायस्पोरा में यहूदी समुदाय के जीवन पर केंद्रित है, ठीक वैसे ही जैसे टोबिट की पुस्तक थी। व्यवस्थाविवरणवादी नियम के साथ कुछ समस्याओं पर प्रकाश डाला गया है कि किसी तथ्य की पुष्टि के लिए दो गवाहों की गवाही ही पर्याप्त है। और डायस्पोरा यहूदी समुदाय के भीतर अधिकार और विश्वास के दुरुपयोग की संभावना।

कहानी संक्षेप में बताई गई है और हिलकियाह के घर में, डायस्पोरा में यहूदी समुदाय की बैठक होती थी। समुदाय के न्यायाधीश वहां अपना काम करते थे, मामलों की सुनवाई करते थे और डायस्पोरा यहूदी समुदाय के जीवन को विनियमित करते थे।

संयोग से, कम से कम कुछ ऐसे क्षेत्रों का साक्ष्य है जहाँ प्रवासी यहूदी मेजबान समाज के भीतर बहुत अधिक स्वशासन का प्रयोग करते थे। खैर, हिल्किय्याह की एक प्यारी पत्नी थी जिसका नाम सुज़ाना था। और हिल्किय्याह के घर में मिलने वाले दो न्यायाधीशों को सुज़ाना पसंद आने लगी।

और जैसा कि लेखक कहते हैं, उन्होंने स्वर्ग के भय से अपनी आँखें फेर लीं। और जैसे ही उन्होंने ऐसा किया, वे अपने भीतर की दुष्ट प्रवृत्ति का शिकार बन गए। इसलिए, एक दिन, सुबह का काम खत्म होने के बाद, सभी लोग घर चले गए।

ये दोनों जज हिल्किय्याह के घर वापस जाते हैं। और वे घर के बाहर एक दूसरे से मिलते हैं। और वे दोनों इस बात को लेकर असमंजस में हैं कि वे यहाँ फिर से क्यों आए हैं।

इसलिए, वे आखिरकार एक दूसरे के सामने कबूल करते हैं कि वे वास्तव में क्या कर रहे हैं। और वे खुद को सुज़ाना के साथ यौन संबंध बनाने की इच्छा में सहयोगी पाते हैं। इसलिए, वे हिल्किय्याह के घर के बगीचे में जाते हैं।

और वे सुज़ाना के रोज़ाना नहाने का इंतज़ार करते हैं। और जब वह नहाती है, और उसके सेवक चले जाते हैं, तो वे उस पर झपट पड़ते हैं और मांग करते हैं कि वह उनके साथ सोए। और वे उसे धमकाते हैं।

उन्होंने कहा, अगर तुम ऐसा नहीं करोगे, तो हम जज हैं। हम कहेंगे कि हमने तुम्हें यहाँ एक ऐसे युवक के साथ पाया जो कोई बुरा काम करने वाला था। और हम कहेंगे कि वह भाग गया, लेकिन हमने तुम्हें पकड़ लिया।

इसलिए, जब तक आप हमारे सामने झुकेंगे नहीं, तब तक आपका बुरा अंत होगा। और सुज़ाना, जो ईश्वर के प्रति पूर्ण प्रतिबद्धता वाली एक नेक महिला है, कहती है कि उसके लिए ईश्वर के हाथों में पड़ना बेहतर है। इसलिए, वह उनकी धमकी के कारण ईश्वर के कानून को तोड़ने से इनकार कर देती है।

खैर, जैसा कि होता है, यह पता चलता है कि, जैसे कि बुजुर्गों ने धमकी दी थी, वे मदद के लिए पुकारते हैं। नौकर दौड़े-दौड़े आते हैं, और वे सुज़ाना को किसी नामहीन, चेहराहीन युवक के साथ व्यभिचार करने के कगार पर होने का दोषी ठहराते हैं। यह मामला मुकदमे की ओर बढ़ता है।

और ये दोनों जज सुज़ाना के खिलाफ़ गवाही देते हैं। और दूसरे जजों के फ़ैसले ने, ज़ाहिर है, पहले दो जजों की प्रतिष्ठा के आधार पर, उसे मौत की सज़ा सुनाई। जब उसे फांसी के लिए ले जाया जा रहा था, तो हम कहानी के नायक से मिले।

एक युवक उछलकर कहता है, मैं निर्दोष लोगों के खून बहाने में कोई भूमिका नहीं निभाऊंगा। कथावाचक हमें बताता है कि यह युवक डैनियल है। और डैनियल कहता है, मुझे इन गवाहों की जांच करने दो और पता लगाने दो या उस झूठ को उजागर करने दो जो उन्होंने इस निर्दोष महिला के बारे में कहा है।

इसलिए, वह दोनों न्यायाधीशों को अलग करता है और एक से पूछता है, आपने इस जोड़े को कथित तौर पर व्यभिचार करते हुए किस पेड़ के नीचे देखा? और न्यायाधीश कहता है, एक यू पेड़ के नीचे। और डैनियल कहता है, हे दुष्ट, भगवान इस झूठ के लिए तुम्हें दो टुकड़ों में काट देगा। मूल में यह वाक्य अंग्रेजी में नहीं था।

वह दूसरे न्यायाधीश से सवाल करता है और उससे पूछता है, तुमने इन दोनों को किस पेड़ के नीचे काम करते हुए पाया? और वह कहता है, एक देवदार के पेड़ के नीचे। और डैनियल कुछ मजाकिया बात कहता है कि कैसे भगवान उसके झूठ के लिए उसका न्याय करेंगे। और इस तरह, वह पूरी सभा के सामने, जिरह करके, सुज़ाना के खिलाफ़ मिलीभगत करने वाले इन दो गवाहों के झूठ को उजागर करता है, और वह बच जाती है।

डैनियल को एक महान, बुद्धिमान व्यक्ति के रूप में मनाया जाता है। अब यह कहानी, जो शायद अब पाठ में नहीं है, जैसा कि मैंने अभी अपने सारांश में बताया है, सुज़ाना को एक तरह की शहीद के रूप में प्रस्तुत करती है। अवज्ञा के बजाय ईश्वर के प्रति वफ़ादारी चुनना जो अस्थायी सुरक्षा प्रदान करता है।

और इसलिए, यह दरबारी कहानियों के उस पैटर्न में आता है, जहाँ कोई व्यक्ति अपने सद्गुणों के प्रति प्रतिबद्धता के कारण खतरे में पड़ जाता है, लेकिन अंत में भगवान उस व्यक्ति को बचा

लेते हैं। यह फिर से, स्व-शासन के महत्वपूर्ण अधिकार पर भी एक प्रतिबिंब है, जिसका कम से कम कुछ यहूदी समुदायों ने प्रवासी सेटिंग्स में आनंद लिया, साथ ही नागरिक और आपराधिक कानून संहिता के रूप में टोरा का उपयोग किया। व्यवस्थाविवरण 22:22 में कानून में लिखा है, यदि कोई पुरुष किसी अन्य पुरुष की पत्नी के साथ सोता हुआ पकड़ा जाए, तो वे दोनों मारे जाएंगे, वह पुरुष जो उस स्त्री के साथ सोता है, साथ ही वह स्त्री भी।

इसलिए, तुम इस्राएल से बुराई को मिटा दोगे। यह कहानी ऐसे लिखी गई है मानो यह वास्तव में एक शर्त, एक विनियमन है, जिसे वास्तव में नियमित रूप से लागू किया जाता है। और यह व्यवस्थाविवरण में एक इस्राएली के खिलाफ निंदा के बारे में कानून को भी दर्शाता है।

व्यवस्थाविवरण 19 में कहा गया है कि न्यायाधीशों को पूरी जांच करनी चाहिए। यदि गवाह झूठा है और उसने दूसरे के खिलाफ झूठी गवाही दी है, तो आपको झूठे गवाह के साथ वैसा ही व्यवहार करना चाहिए जैसा उसने दूसरे के साथ करने का इरादा किया था। इस तरह आप अपने बीच से बुराई को दूर कर देंगे।

और वास्तव में, दानियेल ही वह व्यक्ति है जो आगे आकर दिखाता है कि झूठे गवाहों का पता लगाने के लिए गहन जांच कैसे की जाए। कहानी निर्गमन 23, श्लोक 7 को भी दर्शाती है। झूठे आरोप से दूर रहो, और निर्दोष और सच्चे लोगों को मत मारो, क्योंकि मैं दोषियों को बरी नहीं करूंगा। और यही वह बात है जो दानियेल को सही समय पर आगे आने और दिन बचाने के लिए प्रेरित करती है।

हम दानियेल के यूनानी संस्करण में पाए जाने वाले दानियेल में कुछ अन्य परिवर्धनों पर वापस लौटेंगे। लेकिन सबसे पहले, मैं बारूक की पुस्तक को देखना चाहता हूँ, एक और पुस्तक जो निर्वासन में इस्राएल की दुर्दशा पर केंद्रित है। बारूक को अक्सर पाठकों द्वारा पुराने नियम के ग्रंथों की नकल से ज़्यादा कुछ नहीं माना जाता है, एक बहुत ही अप्रमाणिक पुस्तक।

लेकिन मैं सुझाव दूंगा कि इसकी प्रतिभा उसी तथ्य में निहित है। पाँच छोटे अध्यायों में, भूमि पर विदेशी वर्चस्व और अन्यजातियों की भूमि में बिखरे हुए लोगों के रूप में अस्तित्व के तथ्य से निपटने के लिए पारंपरिक सामग्रियों की एक विस्तृत विविधता को सार्थक रूप से एक साथ लाया गया है। पुस्तक व्यवस्थाविवरण की इतिहास की अपनी समझ और पुनर्स्थापना के लिए उसके नुस्खे, अर्थात् पश्चाताप और वाचा की वफादारी और पालन की ओर वापसी के आधार पर संरचित है।

इसकी शुरुआत बारूक द्वारा घर वापस लोगों के लिए निर्धारित एक लंबी प्रार्थना से होती है, जिसमें लोगों की ओर से एक स्वीकारोक्ति की प्रार्थना और ईश्वर से मदद के लिए अनुरोध किया जाता है। बारूक का मध्य भाग पूरी तरह से अलग नस में चला जाता है। अचानक हमें एक ज्ञान कविता, एक ज्ञान पाठ मिलता है, जैसा कि बेन सिरा में घर पर हो सकता है, टोरा की ओर लौटने के बारे में, ज्ञान का स्रोत।

और फिर अंत में, पुस्तक के तीसरे भाग में, एक भविष्यवाणी वाला भाग, जो यशायाह की पुस्तक के कुछ बहुत ही खास पाठों की याद दिलाता है, यरूशलेम के लिए बहाली का वादा और उसके

बच्चों को उन देशों से वापस इकट्ठा करने का वादा, जहाँ वे बिखरे हुए हैं, शोक में सिय्योन को संबोधित किया गया है। इसलिए, जबकि एक ओर, यह शास्त्रों से अत्यधिक व्युत्पन्न है, यह निर्वासन और विदेशी वर्चस्व की स्थिति को संबोधित करने के लिए पूरे यहूदी धर्मग्रंथ विरासत से सामग्री का एक रचनात्मक संग्रह है। यह एक ऐसा काम हो सकता है जो समय के साथ विकसित हुआ हो या एक मिश्रित कार्य हो।

अध्याय 1:1 से 3:8 तक स्पष्ट रूप से हिब्रू मूल है, जो कि धार्मिक भाग है, स्वीकारोक्ति और पश्चाताप की प्रार्थनाएँ जो देश में बचे हुए यहूदियों और बिखरे हुए यहूदियों दोनों के लिए निर्धारित हैं। लेकिन हो सकता है कि दूसरे भाग की रचना ग्रीक में की गई हो, जो कि पहले भाग का एक प्रकार का विस्तार है। ग्रीक संभवतः 4:5 से 5:8 तक की मूल भाषा है। और बीच में आने वाली ज्ञान कविता के बारे में कुछ अनिश्चितता है।

इस कार्य की तिथि भी काफी हद तक रहस्यपूर्ण है। बारूक की पुस्तक का एक उल्लेखनीय जोर टोरा के कानून के सिद्धांत पर है। और वास्तव में, यह इस संबंध में बेन सिरा के ज्ञान में पाए गए ज्ञान के बहुत समान है।

टोरा कोई बोझ नहीं है। टोरा कोई भारी बोझ नहीं है जिसे ढोया जा सके। बल्कि टोरा ईश्वर की कृपा, ईश्वर की कृपा का प्रकटीकरण है।

उदाहरण के लिए, हम उस ज्ञान कविता में पढ़ते हैं कि परमेश्वर ने ज्ञान का पूरा मार्ग खोज निकाला और उसे अपने सेवक याकूब और इस्राएल को दे दिया, जिनसे वह प्रेम करता था। उसके बाद, वह धरती पर प्रकट हुई और मानवजाति के साथ रहने लगी। वह परमेश्वर की आज्ञाओं की पुस्तक है, वह व्यवस्था जो सदा तक कायम रहती है।

जो लोग उसे दृढ़ता से थामे रहेंगे वे जीवित रहेंगे, और जो उसे त्याग देंगे वे मर जाएंगे। हे इस्राएल, हम धन्य हैं, क्योंकि हम जानते हैं कि परमेश्वर को क्या पसंद है। इसलिए फिर से, बेन सिरा की तरह, हमारे पास इस विकास का यह सबूत है जहाँ बुद्धि के प्रतीक को अब परमेश्वर की आज्ञाओं की पुस्तक के साथ काफी विशिष्ट रूप से पहचाना जाता है।

टोरा स्कॉल अब बुद्धि का अवतार है। और इस्राएल भाग्यशाली है, बोझिल नहीं, बल्कि परमेश्वर को प्रसन्न करने का तरीका जानने और इस प्रकार परमेश्वर के आशीर्वाद का अनुभव करने का विशेषाधिकार प्राप्त है। बारूक के पहले भाग में एक प्रकार की देहाती अंतर्दृष्टि भी सामने आती है जो हमारे ध्यान के योग्य है।

और यही तथ्य है कि सज़ा भुगतने के बीच में, हम एक ऐसे बिंदु पर पहुँच जाते हैं जहाँ हम अपनी स्थिति की सत्यता को स्वीकार करते हैं। पुनर्स्थापना, उलटफेर के लिए शुरुआती बिंदु यह स्वीकार करना है, जैसा कि इन प्रार्थनाओं के लेखक ने स्वीकार किया है, कि हमारा प्रभु परमेश्वर सही है। लेकिन आज हम पर और यहूदा के लोगों पर, यरूशलेम के निवासियों पर, और हमारे राजाओं, हमारे शासकों, हमारे पुजारियों, हमारे भविष्यद्वक्ताओं और हमारे पूर्वजों पर खुली शर्म है, क्योंकि हमने प्रभु के सामने पाप किया है।

और उसी दस्तावेज़ में पश्चाताप की दूसरी प्रार्थना में, प्रभु हमारा परमेश्वर सही है, लेकिन आज हम पर और हमारे पूर्वजों पर आज ही खुलेआम शर्म है। इसलिए, पश्चाताप की इन वास्तव में सुंदर धार्मिक प्रार्थनाओं में हम जो पाते हैं वह ईश्वर के न्याय की स्वीकृति और उन लोगों की ओर से पाप को स्वीकार करने का प्रारंभिक बिंदु है जो व्यवस्थाविवरण में घोषित इन शापों में गिर गए हैं। यिर्मयाह का पत्र एक ऐसा पाठ है जो अक्सर बारूक से जुड़ा हुआ है।

वास्तव में, किंग जेम्स संस्करण में, और यहाँ अपोक्रीफा के तिरस्कार करने वालों के लिए एक और जानकारी है, किंग जेम्स संस्करण को अपोक्रीफा के साथ 1611 में प्रकाशित किया गया था और कम से कम 1631 तक बिना किसी रुकावट के इसे ऐसे ही छापा जाता रहा। तो, आप सभी किंग जेम्स संस्करण-केवल लोग, इसे याद रखें। यिर्मयाह के पत्र को अक्सर बारूक के छठे अध्याय के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, लेकिन सभी संभावनाओं में, यह मूल रूप से एक स्वतंत्र रचना थी।

यह डायस्पोरा से आता है। इसकी मूल भाषा अभी भी कुछ विवाद का विषय है, लेकिन इसका उद्देश्य सीधा है। लेखक उन्हें यिर्मयाह की तरह एक पत्र लिखकर निर्वासन के लिए तैयार करना चाहता है, वास्तविक लेखक गैर-यहूदी धर्म के इर्द-गिर्द मौजूद आकर्षण और भय को कम करना चाहता है।

वह आपके आस-पास के अधिकांश लोगों, आपके पड़ोसियों के बहुमत को ऐसे धर्म में लिप्त देखने की शक्ति को कम करना चाहता है। इस तरह के ग्रंथों के लेखकों ने सामाजिक दबाव को एक उन्नत तरीके से समझा है। अगर बहुमत ऐसा कर रहा है, तो शायद यह सही है।

शायद अल्पसंख्यक जीवनशैली, अल्पसंख्यक विश्वास, अल्पसंख्यक व्यवहार के प्रति मेरी प्रतिबद्धताएं गलत हैं, संकीर्ण सोच वाली हैं। शायद मुझे बदलाव करना चाहिए। खैर, ये यहूदी लेखक उस स्थिति से बचना चाहते थे, जब यहूदी अचानक खुद को अल्पसंख्यक संस्कृति में पा लें।

और इसलिए, हम यिर्मयाह के पत्र के आरंभ से इस तरह के अंश पढ़ते हैं। बेबीलोन में, आप चांदी, सोने और लकड़ी के देवताओं को बेबीलोनियों के कंधों पर परेड करते हुए देखेंगे। ये देवता लोगों में भय पैदा करते हैं।

सावधान रहें कि आप गैर-यहूदियों की तरह न बन जाएँ, इन देवताओं के डर को अपने ऊपर हावी न होने दें, खासकर तब जब आप लोगों की बड़ी भीड़ को उनके आगे-पीछे चलते हुए, उनकी पूजा करते हुए देखें। लेकिन अपने आप से कहें, हे प्रभु, हम आपकी पूजा करना चाहते हैं। लेखक यहूदी समुदाय के आस-पास के गैर-यहूदी लोगों की स्पष्ट धार्मिक भक्ति से ध्यान हटाकर, दस्तावेज़ के आगे बढ़ने पर मूर्तियों पर ध्यान केंद्रित करता है।

कहने का तात्पर्य यह है कि लेखक मूर्ति पर ध्यान केंद्रित करके, मूर्ति को ही पूजा जाने वाली चीज़ के रूप में ध्यान केंद्रित करके गैर-यहूदी धर्म की बेतुकी बातों को कम करने में लगा हुआ है। और इसलिए, वह उनके बारे में धातु, पत्थर और लकड़ी के बेजान टुकड़ों के रूप में बात करेगा,

जिनके बारे में आपके आस-पास के ये मूर्ख, ये गैर-यहूदी सोचते हैं कि वे आपकी मदद कर सकते हैं, उन्हें एक दिव्य प्राणी समझते हैं। इसलिए गैर-यहूदी धर्म के सभी आडंबर और परिस्थिति को आसानी से खारिज किया जा सकता है।

इसलिए, जब हम मूर्तिपूजा के खिलाफ इस तीखे हमले को पढ़ते हैं, तो हमें इस तरह की कई पुष्टि मिलती है। मूर्तियाँ धातु, पत्थर या लकड़ी के बेजान टुकड़े मात्र हैं। मूर्तियों को जुलूस में ले जाया जाता है क्योंकि वे अपने आप आगे नहीं बढ़ सकतीं।

अगर कोई मूर्ति गिर जाए तो वह खुद को बचा नहीं सकती। वह खुद खड़ी नहीं हो सकती। अगर किसी मंदिर में आग लग जाए तो पुजारी भाग जाते हैं, लेकिन मूर्ति छत की बीम की तरह जल जाती है।

मूर्ति किसी चोर को उसके बाहरी भाग से सोने की परत उतारने से नहीं रोक सकती। इसलिए, गैर-यहूदी लोग असहाय चीजों से मदद के लिए प्रार्थना करना मूर्खता है। और लगातार यही कहा जाता है कि कोई भी इन्हें भगवान क्यों समझे या उन्हें इस तरह से संबोधित क्यों करे? और दूसरा यह कि स्पष्ट रूप से, वे भगवान नहीं हैं, इसलिए उनका सम्मान न करें।

तो, यिर्मयाह का पत्र कई अन्य पाठों में से एक है, और वास्तव में पुराने नियम के भविष्यवाणी साहित्य में इसके लिए हमारे पास कई अच्छे उदाहरण हैं। यशायाह, मैं 44 कहना चाहता हूँ, लेकिन मैं गलत हो सकता हूँ। यिर्मयाह 10, इस तरह के पाठ पहले से ही उसी तरह की बयानबाजी का उपयोग कर रहे हैं, और यिर्मयाह का पत्र मूल रूप से भविष्यवाणी ग्रंथों में विचारों के उन बीजों पर विस्तार करने वाला एक संक्षिप्त उपदेश है।

यह अपोक्रीफा में ऐसे कई ग्रंथों में से एक है, और अपोक्रीफा के बाहर भी ऐसी पुस्तकें मिल सकती हैं जो इसी तरह आगे बढ़ती हैं, जो यहूदियों को बहुसंख्यक संस्कृति के धर्म, गैर-यहूदी धार्मिक प्रथाओं से अलग करने की कोशिश करती हैं। यिर्मयाह का पत्र सीधा-सादा है। मैं प्रवचन कहना चाहता हूँ, लेकिन तीखा हमला वास्तव में सही है, और बड़बड़ाना वास्तव में सही है। लेकिन आख्यान और कहानियाँ भी ठीक यही काम करती हैं।

और यहाँ हम फिर से डैनियल में जोड़े गए एक और भाग पर आते हैं, बेल और ड्रेगन की कहानी, या जैसा कि कॉमन इंग्लिश बाइबल जैसे कुछ और आधुनिक अनुवादों में है, बेल और साँप। क्योंकि ग्रीक में वही शब्द, ड्रेकन, घास में साँपों या अधिक काल्पनिक ड्रेगन को संदर्भित कर सकता है। यह पुस्तक सुसाना की पुस्तक की तरह है, सुसाना की कहानी की तरह, एक और तरह की जासूसी कहानी।

हम जो हो रहा है उसकी सच्चाई कैसे पता लगा सकते हैं? और यह वास्तव में कहानियों की एक जोड़ी है जो एक साथ चलने के लिए बनाई गई हैं। वे संदर्भित करते हैं, दूसरा पहले को संदर्भित करता है, और पूरी कहानी का चरमोत्कर्ष इन दो कहानियों के अनुक्रम पर बनाया गया है। गैर-यहूदी धार्मिक प्रथा का उपहास करने वाली दो कहानियाँ।

पहली कहानी, बेल की कहानी, में फारसी राजा को डैनियल को बेल के मंदिर में ले जाते हुए दिखाया गया है और कहा गया है, क्या बेल महान देवता नहीं है? इस भव्य मंदिर को देखो। वहाँ देखो और मुझे बताओ कि बेल महान देवता नहीं है। राजा सबूत पेश करता है कि बेल एक जीवित देवता है।

सच तो यह है कि हर दिन पुजारी बेल के सामने प्रसाद रखते हैं और अगली सुबह खाना हमेशा खत्म हो जाता है। बेल वास्तव में एक जीवित देवता है, जो दिन-प्रतिदिन हम जो बलि चढ़ाते हैं, उस पर दावत करता है। और डैनियल वास्तव में कहानी में हंसता है और कहता है, राजा, धोखा मत खाओ, लेकिन मुझे जाने दो, और मैं तुम्हें दिखाऊंगा कि वास्तव में यहाँ क्या हो रहा है।

इसलिए, राजा से अनुमति प्राप्त करके दानिय्येल मंदिर में जाता है, और बिना किसी को पता लगे, वह पूरे फर्श पर राख फैला देता है। फिर वह मंदिर के दरवाज़े बंद कर देता है और राजा की मुहर लगाकर उसे सील कर देता है, और कहता है, चलो सुबह वापस आते हैं। सुबह, राजा और दानिय्येल और संभवतः उनका पूरा दल वापस आता है, दरवाज़े खोलता है, और खाना खत्म हो चुका होता है।

और राजा घुटनों के बल गिरकर कहता है, हे महान बेल, तुम सचमुच पूजा करने लायक देवता हो। और दानिय्येल कहता है, फर्श पर देखो। और फर्श पर, वेदी के चारों ओर, वे पैरों के निशान देखते हैं।

पुरुषों के पैरों के निशान, महिलाओं के थोड़े छोटे पैरों के निशान, बच्चों के छोटे-छोटे पैरों के निशान। और वे पैरों के निशानों का अनुसरण करते हुए मंदिर के एक गुप्त द्वार तक पहुँचते हैं। और वे दरवाज़े से होकर पुजारी के कक्ष में पहुँचते हैं।

और राजा इस बात से क्रोधित है कि उसे इतने सालों तक धोखा दिया गया है, कि पुजारी दिखावा करते हैं कि बेल खाना खाता है, लेकिन वास्तव में वे हर रात खुद बाहर आते हैं और इसे खाते हैं। इसलिए, वह उन्हें मारने का आदेश देता है, और बेल का मंदिर नष्ट कर दिया जाता है। कहानी स्पष्ट रूप से गैर-यहूदी धर्म का उपहास करती है और सुझाव देती है कि गैर-यहूदी अपने पुजारियों की चालाकी से यह विश्वास करने में बहक जाते हैं कि उनके देवता असली देवता हैं, जो गैर-यहूदी लोगों की मूर्खता से अपना जीवन यापन करते हैं।

अब, दूसरी कहानी भी कुछ ऐसी ही है। भविष्य में किसी समय, राजा डैनियल को एक अन्य पवित्र मंदिर में ले जाता है। इस बार, वहाँ एक बड़े साँप या ड्रैगन या आपकी कल्पना के अनुसार किसी भी प्रकार के जानवर की पूजा की जाती है।

और राजा ने कहा, सच में, दानिय्येल, तुम इस बात से इनकार नहीं कर सकते कि यह एक जीवित देवता है क्योंकि हम सभी इसे चलते-फिरते और साँपों की तरह काम करते हुए देखते हैं। और दानिय्येल, बेशक, मानता है कि यह जीवित है। लेकिन कोई देवता नहीं।

और वह कहता है, राजा, मुझे जाने दो, और मैं तुम्हारे उस देवता को मार डालूँगा। तो, डैनियल मोटे बालों और पिच से बने इन छोटे बालों के गोले बनाता है। और वह उन्हें इस साँप या ड्रैगन को खिला देता है।

और उसके कुछ ही समय बाद, ड्रैगन का पेट फूल जाता है और फट जाता है। और इस तरह, डैनियल ने एक और झूठे देवता का पर्दाफाश कर दिया है। अब, बस एक साइड नोट: प्राचीन दुनिया में जानवरों की पूजा दुर्लभ थी, लेकिन मिस्र में यह जानी जाती है।

इससे कई लोगों ने सुझाव दिया है कि बेले और ड्रैगन की कहानी वास्तव में वहीं से शुरू हुई थी, भले ही यह प्राचीन फारस में सेट की गई हो। मिस्र में, मगरमच्छ, इबिस और बाज़, उदाहरण के लिए, देवता की अभिव्यक्ति के रूप में माने जा सकते हैं। लेकिन फिर से, हमारे पास एक ऐसी कहानी है जो अनिवार्य रूप से गैर-यहूदी पूजा की प्रथा को बेतुका बनाकर अपने मामले को तर्क देती है।

कहानी का अंत, ज़ाहिर है, यह है कि लोगों ने बहुत कुछ सह लिया है और वे डैनियल को मारना चाहते हैं क्योंकि उसने देवताओं को बर्बाद कर दिया है और राजा को यहूदी बना दिया है। इसलिए, वह खुद को फिर से शेर की मांद में पाता है, लेकिन वह चमत्कारिक रूप से बच जाता है, और राजा बहुत खुश होता है। इस तरह की कहानियाँ अन्य यहूदियों को गैर-यहूदी धार्मिक प्रथाओं और दावों के आकर्षण से बचाने में मदद कर सकती हैं, लेकिन उन्होंने ऐसा एक स्ट्रॉ मैन तर्क बनाकर किया।

गैर-यहूदी लोग यह नहीं समझ पाए कि वे मंदिर में मूर्ति या पवित्र पशु की पूजा कर रहे थे। मूर्ति या पशु केवल उस अदृश्य देवता का भौतिक प्रतिनिधित्व था जिसके साथ वे बातचीत करना चाहते थे। उदाहरण के लिए, प्लेटो ने खुलकर स्वीकार किया कि मंदिर में मूर्तियाँ बेजान हैं, लेकिन पीछे के जीवित देवता उपासकों के प्रति दयालु और अनुकूल महसूस करते हैं।

फिर भी, यह स्पष्ट है कि, अधिकांश भाग के लिए, यहूदियों को गैर-यहूदी धर्म को खारिज करने के लिए इतनी दूर जाने की आवश्यकता नहीं थी। लेकिन जब हम अन्य बातों के अलावा, एक अन्य पाठ, द विजडम ऑफ सोलोमन की ओर मुड़ते हैं, तो हमें गैर-यहूदी धर्म के बारे में थोड़ी अधिक परिष्कृत व्याख्याएँ मिलेंगी जो शायद इस वास्तविकता से अधिक मेल खाने लगेंगी कि कैसे गैर-यहूदियों को खुद स्वीकार करना होगा कि उनका धर्म शुरू हुआ था।